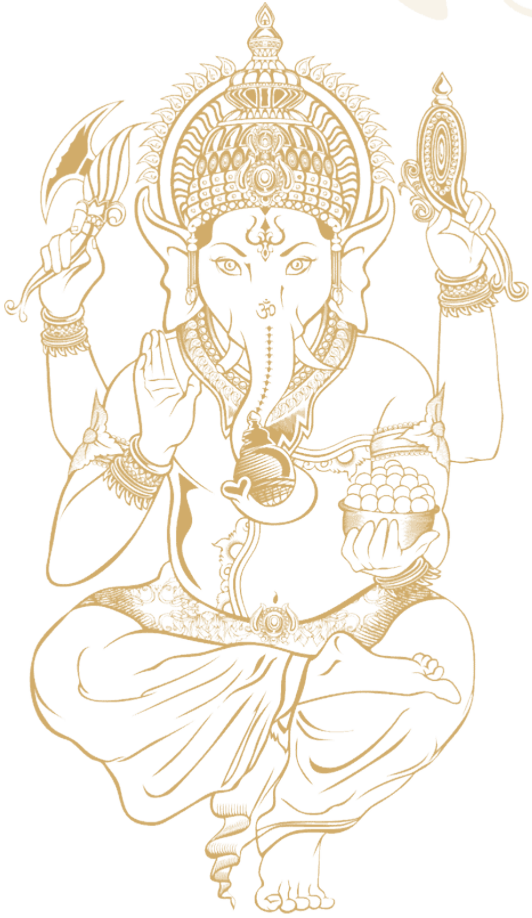

Mr.

21 Aug 2024

10:33 AM

Solan

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119116502

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
21/08/2024	जन्म तिथि	**21/08/2025**
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:33:00	जन्म समय	16:42:09 घंटे
घटी 11:43:46	जन्म समय(घटी)	27:07:00 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
उत्तर 30:54:00	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
पूर्व 77:06:00	रेखांश	77:06:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:29	सूर्योदय	05:51:21
18:57:11	सूर्यास्त	18:57:27
24:12:03	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59

तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	कर्क
शनि	राशि-स्वामी	चन्द्र
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	पुष्य
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
सुकर्मा	योग	वरियान
गर	करण	विष्टि
सो-सोमनाथ	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मेष
1	गत/तत्कालिक वर्ष	2

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	4	04:04:44	तुला			लग्न			धनु	25:20:27	4	पूर्वाषाढ़ा
मघा	2	04:26:26	सिंह			सूर्य			सिंह	04:26:39	2	मघा
पू०भाद्रपद	2	24:36:38	कुंभ			चंद्र			कर्क	12:30:18	3	पुष्य
मृगशिरा	2	26:42:31	वृष			मंगल			कन्या	14:54:57	2	हस्त
मघा	1	00:38:10	सिंह	व	अ	बुध			कर्क	16:05:03	4	पुष्य
मृगशिरा	1	23:26:29	वृष			गुरु			मिथु	21:41:11	1	पुनर्वसु
पू०फाल्गुनी	4	25:34:17	सिंह			शुक्र			कर्क	00:45:39	4	पुनर्वसु
पू०भाद्रपद	1	23:09:57	कुंभ	व		शनि	व		मीन	06:29:12	1	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	3	12:53:22	मीन	व		राहु	व		कुंभ	24:09:48	2	पू०भाद्रपद
हस्त	1	12:53:22	कन्या	व		केतु	व		सिंह	24:09:48	4	पू०फाल्गुनी
कृतिका	2	03:00:02	वृष			मु			वृश्चि	04:04:44	1	अनुराधा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

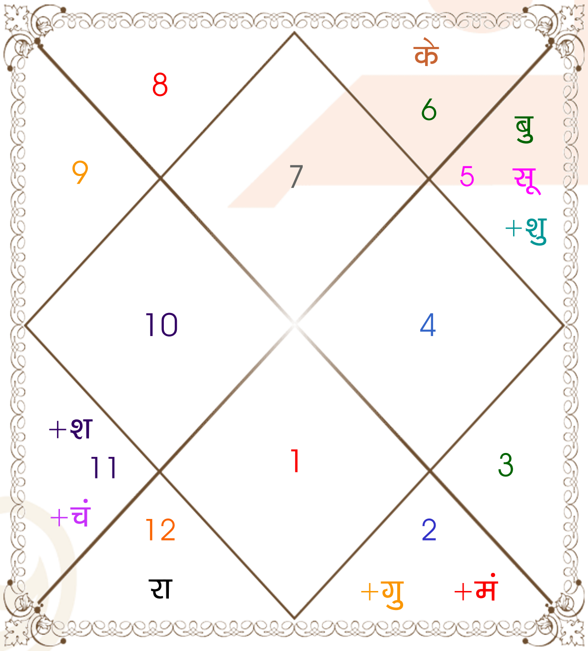

वर्ष लग्न कुंडली

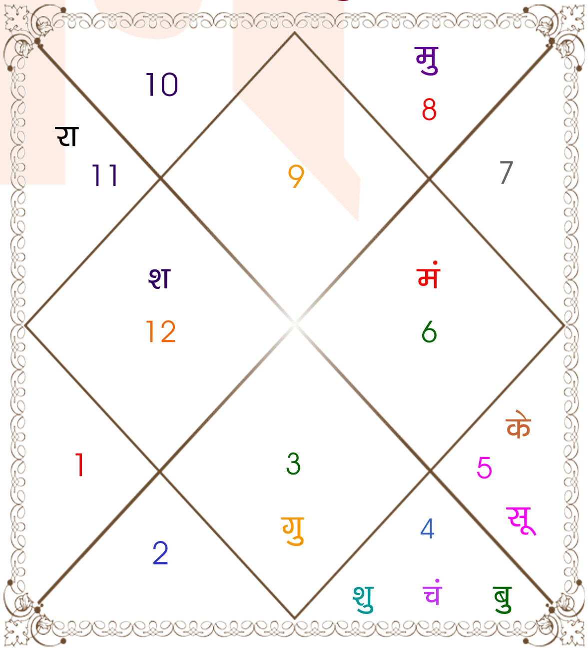

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - बुध - गुरु	
18/05/2025 13:29	
05/09/2025 22:46	
गुरु	02/06/2025 06:43
शनि	19/06/2025 18:11
बुध	05/07/2025 09:30
केतु	11/07/2025 20:03
शुक्र	30/07/2025 05:35
सूर्य	04/08/2025 18:03
चंद्र	13/08/2025 22:50
मंगल	20/08/2025 09:22
राहु	05/09/2025 22:46

गुरु - बुध - शनि	
05/09/2025 22:46	
15/01/2026 00:47	
शनि	26/09/2025 16:53
बुध	15/10/2025 06:34
केतु	22/10/2025 22:05
शुक्र	13/11/2025 18:25
सूर्य	20/11/2025 07:43
चंद्र	01/12/2025 05:54
मंगल	08/12/2025 21:25
राहु	28/12/2025 13:19
गुरु	15/01/2026 00:47

गुरु - केतु - केतु	
15/01/2026 00:47	
03/02/2026 22:03	
केतु	16/01/2026 04:37
शुक्र	19/01/2026 12:10
सूर्य	20/01/2026 12:02
चंद्र	22/01/2026 03:48
मंगल	23/01/2026 07:38
राहु	26/01/2026 07:14
गुरु	28/01/2026 22:52
शनि	01/02/2026 02:26
बुध	03/02/2026 22:03

गुरु - केतु - शुक्र	
03/02/2026 22:03	
01/04/2026 17:39	
शुक्र	13/02/2026 09:19
सूर्य	16/02/2026 05:29
चंद्र	20/02/2026 23:07
मंगल	24/02/2026 06:40
राहु	04/03/2026 19:12
गुरु	12/03/2026 09:01
शनि	21/03/2026 08:55
बुध	29/03/2026 10:06
केतु	01/04/2026 17:39

गुरु - केतु - सूर्य	
01/04/2026 17:39	
18/04/2026 18:43	
सूर्य	02/04/2026 14:06
चंद्र	04/04/2026 00:11
मंगल	05/04/2026 00:03
राहु	07/04/2026 13:25
गुरु	09/04/2026 19:57
शनि	12/04/2026 12:44
बुध	14/04/2026 22:41
केतु	15/04/2026 22:33
शुक्र	18/04/2026 18:43

गुरु - केतु - चंद्र	
18/04/2026 18:43	
17/05/2026 04:31	
चंद्र	21/04/2026 03:32
मंगल	22/04/2026 19:19
राहु	27/04/2026 01:35
गुरु	30/04/2026 20:29
शनि	05/05/2026 08:26
बुध	09/05/2026 09:02
केतु	11/05/2026 00:48
शुक्र	15/05/2026 18:26
सूर्य	17/05/2026 04:31

गुरु - केतु - मंगल	
17/05/2026 04:31	
06/06/2026 01:47	
मंगल	18/05/2026 08:22
राहु	21/05/2026 07:57
गुरु	23/05/2026 23:35
शनि	27/05/2026 03:09
बुध	29/05/2026 22:46
केतु	31/05/2026 02:36
शुक्र	03/06/2026 10:09
सूर्य	04/06/2026 10:01
चंद्र	06/06/2026 01:47

गुरु - केतु - राहु	
06/06/2026 01:47	
27/07/2026 05:01	
राहु	13/06/2026 17:52
गुरु	20/06/2026 13:30
शनि	28/06/2026 15:49
बुध	05/07/2026 21:40
केतु	08/07/2026 21:16
शुक्र	17/07/2026 09:48
सूर्य	19/07/2026 23:10
चंद्र	24/07/2026 05:26
मंगल	27/07/2026 05:01

गुरु - केतु - गुरु	
27/07/2026 05:01	
10/09/2026 15:54	
गुरु	02/08/2026 06:28
शनि	09/08/2026 11:12
बुध	15/08/2026 21:44
केतु	18/08/2026 13:22
शुक्र	26/08/2026 03:11
सूर्य	28/08/2026 09:44
चंद्र	01/09/2026 04:38
मंगल	03/09/2026 20:16
राहु	10/09/2026 15:54

गुरु - केतु - शनि	
10/09/2026 15:54	
03/11/2026 15:19	
शनि	19/09/2026 05:01
बुध	26/09/2026 20:32
केतु	30/09/2026 00:06
शुक्र	08/10/2026 24:00
सूर्य	11/10/2026 16:46
चंद्र	16/10/2026 04:43
मंगल	19/10/2026 08:17
राहु	27/10/2026 10:36
गुरु	03/11/2026 15:19

गुरु - केतु - बुध	
03/11/2026 15:19	
21/12/2026 22:23	
बुध	10/11/2026 11:31
केतु	13/11/2026 07:08
शुक्र	21/11/2026 08:19
सूर्य	23/11/2026 18:16
चंद्र	27/11/2026 18:51
मंगल	30/11/2026 14:28
राहु	07/12/2026 20:19
गुरु	14/12/2026 06:52
शनि	21/12/2026 22:23

गुरु - शुक्र - शुक्र	
21/12/2026 22:23	
02/06/2027 06:23	
शुक्र	17/01/2027 23:43
सूर्य	26/01/2027 02:31
चंद्र	08/02/2027 15:11
मंगल	18/02/2027 02:27
राहु	14/03/2027 10:51
गुरु	05/04/2027 02:19
शनि	30/04/2027 19:11
बुध	23/05/2027 19:07
केतु	02/06/2027 06:23

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबंधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com